चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम(2024–28)
वाणिज्य संकाय
कोर्स कॅरिकुलम

खंड–अ:परिचय				
पाठ्यक्रमः बैचलर इन कॉमर्स (डिप्लोमा/डिग्री/ऑनर्स)			सेमेस्टर–तृतीय	सत्र 2024–25
1	कोर्स कोड	सीओजीई–07		
2	कोर्स शीर्षक	निगमीय लेखाकंन		
3	कोर्स प्रकार	जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स (सीओजीई)		
4	पूर्व अपेक्षित (यदि हो)	आवश्यकतानुरुप		
5	कोर्स लर्निंग आउटकम (CLO)	• कॉर्पोरेट लेखांकन प्रणाली के वैचारिक ज्ञान का उपयोग करें और भारतीय एएस के ढांचे के भीतर कंपनियों के वित्तीय विवरण तैयार करने की तकनीक सीखें। • शेयरों और डिबेंचर को जारी करने और भुनाने की प्रक्रिया को समझें। • ज्वाइंट स्टॉक कंपनी लिमिटेड के वित्तीय विवरण का विश्लेषण करें। • कंपनियों के समामेलन और अवशोषण में शामिल प्रक्रिया की व्याख्या करें। • ख्याति और शेयरों के मूल्यांकन की प्रक्रिया लगः करें।		
6	केडिट महत्व	4 केडिट	केडिट = 15घंटे का अध्ययन/प्रशिक्षण/प्रवेक्षण	
7	कुल अंक	अधिकतम पूर्णांक–100 अंक		उत्तीर्णांक–40

खण्ड–बः कोर्स की विषयवस्तु		
कुल अध्यापन कालखंड (01 घंटा प्रति कालखंड)=60 कालखंड (60घंटे)		
इकाई	प्रसंग (विषय वस्तु)	कालखंड की संख्या
1	**अंश एवं ऋणपत्रः** अंशों का निर्गमन, अंशों का हरण और उनका पुननिर्गमन, बोनस अंशों का निर्गमन, अंशों का अभिगोपन, पूर्वाधिकार अंशो का शोधन,ऋणपत्रों का निर्गमन और शोधन	15
2	वित्तीय विवरण एवं कंपनी के अंतिम खाते , कंपनी का समापन	15
3	कंपनियों के समामेलन एवं आंतरिक पुनर्निर्माण के लिए लेखांकन,	15
4	ख्याति व अंशों का मूल्यांकन एवं सूत्रधारी कंपनियों का समेकित चिठ्ठा केवल एक सहायक कंपनी के साथ	15
प्रमुख शब्द	**शेयर एवं डिबेंचर, कंपनियों के अंतिम खाते, कंपनी का परिसमापन, कंपनियों का समामेलन और पुनर्निर्माण,** ख्याति **और शेयर का मूल्यांकन,** सूत्रधारी **कंपनी की समेकित बैलेंस शीट.**	

हस्ताक्षर–सदस्य एवं संयोजक (केन्द्रीय अध्ययन मंडल):–

खंड–सः अध्ययन स्त्रोत्/साधन

पाठ्य पुस्तक,संदर्भग्रंथ एवं अन्य

अनुशंतित ग्रंथः–

1. डॉ. एस.एम. शुक्ल एवं डॉ. के.एल.गुप्ता, साहित्य भवन प्रकाशन आगरा, ;हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम.
2. डॉ मंगल मेहता और अग्रवाल, इंदौर प्रकाशित किया.
3. डॉ करीम और खनूजा, एसबीपीडी, प्रकाशन, आगरा, ;हिंदी और अंग्रेजी माध्यम.
4. गुप्ता आर.एल., राधास्वामी एम. कंपनी खाते, सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली.
5. जे.आर. मोंगा. कॉरपोरेट अकाउंटिंग के बुनियादी सिद्धांत, मयूर पेपर बैक, नई दिल्ली.

नोटः–शिक्षार्थियों को पाठ्य पुस्तकों के नवीनतम संस्करण का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।

संदर्भग्रंथः

1. एम.सी. शुक्ला, टी.एस. ग्रेवाल, और एस.सी. गुप्ता, उन्नत खाते, खंड.II एस. चंद एंड कंपनी, नई दिल्ली.
2. एस.एन. माहेश्वरी, और एस. के. माहेश्वरी, निगमित लेखांकन, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली.
3. अशोक सहगल, कॉरपोरेट अकाउंटिंग के बुनियादी सिद्धांत, टैक्समैन प्रकाशन, नई दिल्ली,
4. वी.के. गोयल और रुचि गोयल, निगमित लेखांकन, पीएचआई लर्निंग.
5. जैन.एस.पी. और के.एल. नारंग, निगमित लेखांकन, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली.
6. भूषण कुमार गोयल, फंडामेंटल्स ऑफ कॉरपोरेट अकाउंटिंग, इंटरनेशनल बुक हाउस.
7. पी. सी. तुलस्यान और भरत तुलस्यान, कॉर्पोरेट अकाउंटिंग, एस.चंद.
8. अमिताभ मुखर्जी, मोहम्मद हनीफ, कॉर्पोरेट अकाउंटिंग, मैकग्रा हिल एजुकेशन.

ऑनलाईन स्त्रोतः– ई–स्त्रोत/ई–पुस्तक/ई–पोर्टलः

https://www.geektonight.com/corporate-accounting-notes/
https://commercemates.com/corporate-accounting/
https://academy.tax4wealth.com/blog/corporate-accounting
https://www.youtube.com/watch?v=p0rxpzkSDLU
https://ugcmoocs.inflibnet.ac.in/index.php/courses/view_ug/19

खंड–दः आंकलन और मूल्याकंन

अनुशंसित सतत् मूल्याकंन प्रविधिः

पूंर्णाक – 100 अंक	सतत् आंतरिक मूल्याकंन (CIA) : 30 अंक अंत सेमेस्टर परीक्षा (ESE) : 70 अंक	
सतत् आंतरिक मूल्याकंन(CIA): (कोर्स शिक्षक द्वारा)	आंतरिक जॉच परीक्षा/प्रश्नोत्तरी परीक्षा(दो): 20+20 कार्यभार/सेमीनार+उपस्थितिः– 10 कुल अंक– 30	दोनों आंतरिक परीक्षा उच्चतर प्राप्तांक+कार्यभार में प्राप्तांक– 30 अंक के परिप्रेक्ष्य में अधिग्रहित किया जावेगा.
अंत सेमेस्टर परीक्षाः (ESE)	दो खंड– अ तथा ब खंड–अः– प्र.01–वस्तुनिष्ठ प्रश्न–10X1=10 अंक, एवं प्र.02– लघुउत्तरीय प्रश्न– 5X4=20 अंक खंड–बः– वर्णात्मक प्रकार के प्रश्न– 2 प्रति इकाई में से 1–1 प्रश्न हल करना–4X10=40 अंक	

हस्ताक्षर–सदस्य एवं संयोजक (केन्द्रीय अध्ययन मंडल):–

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम(2024–28)
वाणिज्य संकाय
कोर्स कॅरिकुलम

खंड–अ:परिचय			
पाठ्यक्रम: बैचलर इन कॉमर्स (डिप्लोमा/डिग्री/ऑनर्स)		सेमेस्टर–तृतीय	सत्र 2024–25
1	कोर्स कोड	सीओजीई–08	
2	कोर्स शीर्षक	कम्पनी अधिनियम	
3	कोर्स प्रकार	जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स (सीओजीई)	
4	पूर्व अपेक्षित (यदि हो)	आवश्यकतानुरुप	
5	कोर्स लर्निंग आउटकम (CLO)	• भारत में कंपनी के माहौल के कानूनी ढांचे को समझें और उसका मूल्यांकन करें और भारतीय कंपनी कानून का प्रारंभिक ज्ञान प्राप्त करें। • कंपनी के उद्देश्य, संचालन की सीमाओं और अन्य आवश्यक विवरणों की रूपरेखा। • कंपनी सचिव की भूमिका को समझें जो छात्रों को अपना करियर बनाने में मदद करती है। • कंपनी कानून के विभिन्न खंडों की व्याख्या करें जिन्हें एक व्यवसाय प्रबंधक को बेहतर निर्णय लेने के लिए जानना चाहिए और कंपनियों को बंद करने की प्रक्रिया को भी समझना चाहिए। • कानूनी समस्याओं के समाधान तक पहुंचने के लिए तर्क और समस्या-समाधान कौशल द्वारा कानूनी विश्लेषण की क्षमता विकसित करें।	
6	क्रेडिट महत्व	4 क्रेडिट	क्रेडिट = 15घंटे का अध्ययन/प्रशिक्षण/प्रवेक्षण
7	कुल अंक	अधिकतम पूर्णांक–100 अंक	उत्तीर्णांक–40

खण्ड–ब: कोर्स की विषय वस्तु

कुल अध्यापन कालखंड (01 घंटा प्रति कालखंड)–60 कालखंड (60घंटे)

इकाई	प्रसंग (विषय वस्तु)	कालखंड की संख्या
1	**परिचय, कंपनियों का प्रवर्तन एवं समामेलन:**परिचयः कंपनी की परिभाषा, विशेषताऐं एवं सीमाऐं, निगमन का आवरण उठाना, कंपनी के प्रकार।निगमों का सामाजिक उत्तरदायित्व ।प्रवर्तन–प्रवर्तक–अर्थ, वैधानिक स्थिति, कर्त्तव्य, दायित्व एवं अधिकार, पारिश्रमिक। कंपनी गठन के क्रियात्मक पहलू।समामेलन–रजिस्ट्रार के पास जमा किये जाने वाले प्रपत्र, समामेलन का प्रमाणपत्र, पंजीयन, प्रारंभिक अनुबंध –पार्षद सीमानियम, पार्षद अंर्तर्नियम–अर्थ, उद्देश्य, विषय सामग्री एव उसमें परिवर्तन । रचनात्मक सूचना का सिद्धांत, आंतरिक प्रबंध का सिद्धांत एवं इसके अपवाद।	15
2	**पूंजी प्रबंध एवं सदस्यता:**पूंजीप्रबंध–कंपनी के ऋण लेने के अधिकार, बंधक एवं प्रभार, ऋणपत्र, प्रतिभूतियों का अभौतिकीकरण एव पुनः भौतिकीकरण।कंपनी में सदस्यता–सदस्य एवं अंशधारी, सदस्य कौन बन सकताहै ? सदस्यता की समाप्ति, सदस्यों के अधिकार एवं उत्तरदायित्व, सदस्यों का रजिस्टर एव अनुक्रमाणिका।	15
3	**निगमीय व्यक्तित्व**– संचालक–अर्थ, नियुक्ति, पारिश्रमिकएवंकर्तव्य, प्रबंध संचालक, महिला संचालक, पूर्णकालिक संचालक।कंपनी सचिव–नियुक्ति, वैधानिक स्थिति एवं योग्यताएं, अधिकार, कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व, पेशेवर कदाचार।	15
4	**कंपनी की सभाऐंएवं कंपनी सचिव**–कंपनी की सभाएंप्रकार, सूचना गणपूर्ति, कार्यसूची, मताधिकार, प्रतिपुरूष, प्रस्ताव, सूक्ष्म।कंपनी की सभाओं में कंपनी सचिव की भूमिका–सूचना, कार्यसूची, सूक्ष्म, प्रस्ताव के मसौदे तैयार करना।कंपनी का समापन–समापन की विधियां।निस्तारक–नियुक्ति, कर्तव्य, दायित्व एवं अधिकार पारिश्रमिक।	15

10/06/24

प्रमुख शब्द	प्रर्वतन,कंपनी, समामेलन, **निगमन, पूंजी जारी करना**, प्रविवरण, **कॉर्पोरेट व्यक्तित्व, कंपनी की बैठक, कंपनी सचिव.**

हस्ताक्षर–सदस्य एवं संयोजक (केन्द्रीय अध्ययन मंडल):–

खंड–सः अध्ययन स्त्रोत्/साधन		
पाठ्यपुस्तक,संदर्भग्रंथ एवं अन्य		
अनुशंतित ग्रंथः– 1.डॉ.एस.एम.शुक्ला, एवं डॉ. आई.एम.शाया, साहित्य भवन प्रकाशन, आगरा, ;हिन्दी माध्यम. 2.डॉ.एस.एम.शुक्ला, और डॉ.के.जैन, साहित्य भवन प्रकाशन आगरा, ;अंग्रेजी माध्यम. 3. डॉ. जी.के. वार्ष्णेय, साहित्य भवन प्रकाशन, आगरा, ;अंग्रेजी माध्यम. 4. प्रो. अग्रवाल एवं कोठारी, एसबीपीडी, प्रकाशन, आगरा ;हिन्दी माध्यम. 5 .डॉ.ओ.पी.गुप्ता,एसबीपीडी,प्रकाशन,आगरा ;हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम. नोटः– शिक्षार्थियों को पाठ्य पुस्तकों के नवीनतम संस्करण का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।		
संदर्भग्रंथः 1. सिंह अवतार, कंपनी लॉ, ईस्टर्न बुक कंपनी लखनऊ.		
ऑनलाईन स्त्रोतः– ई–स्त्रोत/ई–पुस्तक/ई–पोर्टलः https://onlinecourses.swayam2.ac.in/cec20_hs23/preview https://www.mca.gov.in/content/mca/global/en/acts-rules/companies-act/companies-act-2013.html https://www.nls.ac.in/course/corporate-law/ https://www.claonline.in/icsi/ https://www.youtube.com/c/CorporateLawLectures		
खंड–दः आंकलन और मूल्याकंन		
अनुशंसित सतत् मूल्याकंन प्रविधिः		
पूंर्णाक – 100 अंक	सतत् आंतरिक मूल्याकंन (CIA) : 30 अंक अंत सेमेस्टर परीक्षा (ESE) : 70 अंक	
सतत् आंतरिक मूल्याकंन (CIA): (कोर्स शिक्षक द्वारा)	आंतरिक जॉच परीक्षा/प्रश्नोत्तरी परीक्षा(दो): 20+20 कार्यभार/सेमीनार+उपस्थितिः– 10 कुल अंक– 30	दोनों आंतरिक परीक्षा उच्चतर प्राप्तांक+कार्यभार में प्राप्तांक– 30 अंक के परिप्रेक्ष्य में अधिग्रहित किया जावेगा.
अंत सेमेस्टर परीक्षाः (ESE)	दो खंड– अ तथा ब खंड–अः– प्र.01–वस्तुनिष्ठ प्रश्न–10x1=10 अंक, एवं प्र.02– लघुउत्तरीय प्रश्न– 5x4=20 अंक खंड–बः– वर्णात्मक प्रकार के प्रश्न– 2 प्रति इकाई में से 1–1 प्रश्न हल करना–4x10=40 अंक	

हस्ताक्षर–सदस्य एवं संयोजक (केन्द्रीय अध्ययन मंडल):–

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम(2024–28)
वाणिज्य संकाय
कोर्स कॅरिकुलम

खंड–अ:परिचय				
पाठ्यक्रमः बैचलर इन कॉमर्स (डिप्लोमा/डिग्री/ऑनर्स)			सेमेस्टर– तृतीय	सत्र 2024–25
1	कोर्स कोड	सीओजीई–09		
2	कोर्स शीर्षक	प्रबंध के सिद्धान्त		
3	कोर्स प्रकार	जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स (सीओजीई)		
4	पूर्व अपेक्षित (यदि हो)	आवश्यकतानुरुप		
5	कोर्स लर्निंग आउटकम (CLO)	• प्रबंधन के सिद्धांत की अवधारणा को बुनियादी सिद्धांतों और मानदंडों के साथ समझें। • प्रबंधन और नियंत्रण के सिद्धांत के क्षेत्र से जुड़ी शब्दावली को उनकी प्रासंगिकता के साथ समझें। • विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए प्रबंधन के सिद्धांत की उपयुक्त विधि और तकनीक की पहचान करें। • व्यवसाय और उद्योग संबंधी समस्याओं को हल करने के लिए बुनियादी व्यवसाय प्रबंधन सिद्धांतों को लागू करें। • योजना, आयोजन, निर्देशन, प्रेरणा और नियंत्रण आदि की अवधारणा को समझें।		
6	क्रेडिट महत्व	4 क्रेडिट	क्रेडिट = 15घंटे का अध्ययन/प्रशिक्षण/प्रवेक्षण	
7	कुल अंक	अधिकतम पूर्णांक–100 अंक		उत्तीर्णांक–40

खण्ड–बः कोर्स की विषयवस्तु

कुल अध्यापन कालखंड (01 घंटा प्रति कालखंड)–60 कालखंड (60घंटे)

इकाई	प्रसंग (विषय वस्तु)	कालखंड की संख्या
1	**प्रबंध** :–परिचय, अवधारणा, विशेषताएँ, प्रकृति, प्रक्रिया तथा महत्त्व, प्रबंध की भूमिका (मिन्ट्जबर्ग), प्रबंध के कार्यात्मक क्षेत्रों का अवलोकन, प्रबंध विचारधारा का विकास, प्राचीन एवं नवप्राचीन प्रणाली, आकस्मिकता दृष्टिकोण, प्रणाली दृष्टिकोण.	15
2	**नियोजनः**–अवधारणा, विशेषताएँ, प्रक्रिया, महत्व, प्रकार प्रभावी नियोजन के तत्व . **निर्णयन** :–अवधारणा, प्रक्रिया, प्रकार एवंमहत्व, उद्देश्यो द्वारा प्रबंध. **संगठनः**–अवधारणा, प्रकृति, प्रक्रिया, महत्व, अधिकार तथा उत्तरदायित्व संबंध,केन्द्रीयकरण तथा विकेन्द्रीकरण विभागीयकरण, संगठन संरचना–प्रारूप.	15
3	**निर्देशन**–अर्थ, विशेषताएँ, अवधारणा तथा तकनीक,सिद्वांत, महत्व,**समन्वय** :– अर्थ, विशेषताएँ, प्रकृति, सिद्वांत, महत्व, लाभ तथा सीमाएँ.**सम्प्रेषण**–प्रकृति, प्रक्रिया, महत्व, प्रकार,नेटवर्क तथा बाधाऐं, प्रभावी सम्प्रेषण, प्रतिपुष्टि. **नियुक्तियाँः**–भर्ती की अवधारणा–भर्ती और चयन,उन्मुखीकरण,प्रशिक्षण तथा विकास, कॅरियर (आजीविका) विकास, केस स्टडी के साथ प्रदर्शन मूल्यांकन।	15
4	**अभिप्रेरणाः**–अवधारणा, प्रकार, महत्व, विचारधाराएं :–मैस्लो, हर्जबर्ग, मैकग्रेगर,आउची, मौद्रिक तथा अमौद्रिक प्रोत्साहन अभिप्रेरणा.**नेतृत्व** :–अर्थ, अवधारणा, कार्य तथा नेतृत्व शैली, प्रकार, गुण, बाधाएँ, लिकर्ट की चार नेतृत्व प्रणाली, केस स्टडी द्वारा विचारधारा का महत्व.**नियंत्रण**– अर्थ, विशेषताएँ, महत्व, प्रक्रिया, प्रभावी नियंत्रण प्रणाली, नियंत्रण की विभिन्न तकनीक.	15
प्रमुख शब्द	**प्रबंध, योजना, निर्णय लेना, संगठन, निर्देशन, समन्वय, संचार, स्टाफिंग, प्रेरणा, नेतृत्व, नियंत्रण.**	

हस्ताक्षर–सदस्य एवं संयोजक (केन्द्रीय अध्ययन मंडल):–

10/06/24 10.6.24